

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-944
8 फरवरी, 2024 को उत्तरार्थ

राष्ट्र के विद्युत बाजार का आधुनिकीकरण

944. श्री कृष्णपाल सिंह यादव:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
श्रीमती रंजीता कोली:
श्री सुमेधानन्द सरस्वती:
डॉ. मनोज राजोरिया:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में अब तक विद्युत का कुल कितना उत्पादन किया गया है;
- (ख) सरकार द्वारा राष्ट्र के विद्युत बाजार के आधुनिकीकरण और पुनर्गठन विशेषकर विद्युत ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के निर्बाध एकीकरण को सुकर बनाने और विद्युत उत्पादन संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा डिस्कॉम, विद्युत उपभोक्ताओं और विद्युत उत्पादन कंपनियों सहित विद्युत क्षेत्र की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए किए गए सुधारात्मक उपायों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) सरकार द्वारा पारेषण और वितरण हानि में पर्याप्त कमी लाने के लिए विद्युत क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने हेतु कौन-कौन सी पहल कार्यान्वित की गई है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (घ) : वर्ष 2013-14 से वर्ष 2022-23 तक ऊर्जा के मामले में देश में विद्युत की मांग 50.8 प्रतिशत बढ़ गई है। व्यस्ततम मांग वर्ष 2013-14 में 135918 मेगावाट से बढ़कर सितंबर 2023 में 243271 मेगावाट हो गई है। हम मांग में वृद्धि को पूरा करने में सक्षम हैं क्योंकि हमने वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच 196558 मेगावाट क्षमता जोड़ी है जिसमें 104059 मेगावाट आरई क्षमता शामिल है। पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष 2023-24 (दिसंबर, 2023 तक) के दौरान देश में उत्पादित विद्युत की मात्रा का विवरण अनुबंध पर दिया गया है।

पर्याप्त क्षमता वृद्धि को समायोजित करने के लिए, भारत सरकार ने आयोजना की और 1,89,052 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) पारेषण लाइनें जोड़ीं, इसी अवधि में (2013-14 से 2022-23) देश के एक कोने से

दूसरे कोने तक 1,16,540 मेगावाट अंतरण क्षमता के साथ पूरे देश को एक फ्रीक्वेंसी पर चलने वाले एक ग्रिड से जोड़ा, इसके साथ ही, पूरे देश को एक राष्ट्रीय बाजार में एकीकृत किया।

हमने नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एक्सचेंज में ग्रीन डे अहेड मार्केट और ग्रीन टर्म अहेड मार्केट जैसे नए उत्पाद प्रस्तुत किए हैं।

भारत विश्व की तीव्रतम नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं में से एक है और दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में उभरा है। सरकार ने हरित ऊर्जा कॉरीडोरों का निर्माण किया है और 13 नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र स्थापित किए हैं। आज नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 180800 मेगावाट है और 103660 मेगावाट संस्थापित की जा रही है।

सरकार ने विद्युत क्षेत्र को व्यवहार्य बनाने के लिए ठोस प्रयास किये हैं। एटीएंडसी हानि 2014-15 में 25.72% से घटकर वर्ष 2022-23 में 15.40% हो गया है। जेनकोस के सभी मौजूदा भुगतान अद्यतन हैं और जेनकोस का पिछला बकाया दिनांक 03.06.2022 को 1,39,947 करोड़ रुपये से घटकर दिनांक 31.01.2024 तक 49,451 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य सरकार द्वारा घोषित सब्सिडी के कारण डिस्कॉम को सब्सिडी भुगतान अद्यतन है।

एटीएंडसी हानियों को कम करने के लिए, भारत सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- (i) बिना मीटर वाले कनेक्शनों पर मीटर लगाने के लिए डीडीयूजीजेवाई और आईपीडीएस के अंतर्गत निधियां दी गईं और चोरी को दुष्कर बनाने के लिए हानि संभावित क्षेत्रों में कवर्ड वायर लगाए गए;
- (ii) ऊर्जा लेखांकन और ऊर्जा लेखा परीक्षा प्रणाली स्थापित की गई;
- (iii) यह सुनिश्चित करने के लिए विवेकपूर्ण मानदंड संशोधित किए गए कि यदि डिस्कॉम घाटे में चल रहे हैं तो आरईसी/पीएफसी द्वारा उनको तब तक कोई ऋण न दिया जाए, जब तक कि वे हानियों को कम करने के लिए कोई योजना न बना लें, उस पर अपनी राज्य सरकार की मंजूरी प्राप्त न कर लें और इसे भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत न कर लें; और इन चरणों का पालन करें;
- (iv) यह सुनिश्चित करने के लिए कि सस्ती विद्युत पहले भेजी जाए, एक मेरिट ऑर्डर डिस्पैच सिस्टम स्थापित किया गया;
- (v) डिस्कॉमों पर बोझ कम करने के लिए विलंब भुगतान अधिभार कम किया गया;
- (vi) यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाए गए कि यदि आपूर्ति की गई विद्युत के बदले में जेनको को भुगतान नहीं किया जाता है, तो चूक करने वाले डिस्कॉमों की पहुँच विद्युत एक्सचेंज से स्वचालित रूप से कट जाएगी;
- (vii) यदि डिस्कॉम हानियों को कम करने के उपाय करता है, तो जीडीपी का 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त उधार लेने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया गया;
- (viii) यह प्रावधान किया गया कि घाटे में चल रहे डिस्कॉमों को आरडीएसएस के अंतर्गत तब तक कोई निधि नहीं दी जाएगी, जब तक कि वे अपनी हानियों को कम करने के लिए उपाय नहीं करेंगे;
- (ix) यह सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाए गए हैं कि टैरिफ अद्यतित हैं।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, विद्युत क्षेत्र व्यवहार्य और लाभदायक बन गया है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष 2023-24 (दिसंबर, 2023 तक) में देश में उत्पादित विद्युत की कुल मात्रा का विवरण

(सभी आंकड़े एमयू में)

ईंधन	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24 (दिसंबर तक)	
ताप विद्युत	कोयला	950937.55	1041487.43	1145907.58	932258.66
	डीजल	126.31	117.24	229.71	300.5
	हाई स्पीड डीजल	0	0	0	0
	लिग्नाइट	30505.68	37094.04	36188.34	24324.57
	मल्टी ईंधन				
	नाफथा	101.41	0	0.83	0
	प्राकृतिक गैस	50842.59	36015.77	23884.21	23903.53
ताप विद्युत कुल	1032513.54	1114714.48	1206210.67	980787.26	
न्यूक्लियर	43029.08	47112.06	45861.09	36263.36	
जल विद्युत	150299.52	151627.33	162098.77	114757.77	
भूटान से आयात	8765.5	7493.2	6742.4	4672.1	
नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (वृहत जल विद्युत को छोड़कर)	147247.508	170912.297	203552.685	172488.39	
कुल जोड़	1381855.15	1491859.37	1624465.61	1308968.88	
